>

Title: Need to create a separate State of Poorvanchal.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): भारत गणराज्य घोषित होने के उपरांत भी राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से तथा क्षेत्रीय विकास के असंतुलन को दूर करने के लिए समय-समय पर विभिन्न राज्यों का पुनर्गठन हुआ है। 12 वर्ष पूर्व एन.डी.ए. सरकार के समय भी तीन नए राज्य उत्तराखण्ड, झारखण्ड और छत्तीसगढ़ का निर्माण हुआ। आज भी देश के अन्दर विभिन्न क्षेत्रों में नए राज्यों के निर्माण की मांग लगातार हो रही है। अभी हाल ही में केन्द्रीय केबिनेट ने तेलंगाना राज्य निर्माण के लिए अपनी सहमति दी है। नए राज्यों के निर्माण राष्ट्रीय सुरक्षा तथा क्षेत्रीय आर्थिक विकास को ध्यान में रखकर ही इस दृष्टि से उत्तर प्रदेश के पुनर्गठन की मांग प्रारंभ हुई है। देश की सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व की पूर्वी अंचल की आबादी लगभग 6-7 करोड़ है। इस क्षेत्र में एक भी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, केन्द्रीय चिकित्सा संस्थान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान अथवा भारतीय प्रबंधन संस्थान नहीं है। एक भी उद्योग नहीं है। एकमात्र नकदी फसल के रूप में विख्यात चीनी उद्योग लगातार दम तोड़ रहा है। नेपाल तथा बिहार से जुड़ी सीमा होने के कारण यह अत्यंत ही संवेदनशील क्षेत्र बन चुका है। राष्ट्रीय सुरक्षा तथा क्षेत्रीय आर्थिक विकास की दृष्टि से इस क्षेत्र को नए राज्य के रूप में पुनर्गठित किया जाना आवश्यक है।

कृपया उ.प्र. का पुनर्गठन करके पूर्वी अंचल का पुण्यांचल (पूर्वांचल) के नाम पर नया राज्य बनाया जाए।